मूल्य – 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

नवम्बर – 2019

वर्ष 8, अंक 2, पृ.सं. 20

आनन्द वृद्धाश्रम :

जिन्दग़ी की उथल-पुथल में कुछ पथ प्रदर्शक

आत्मीय निमंत्रण

आनन्द वृद्धाश्रम का नामकरण समारोह एवं कस्तुरी 2019

(सीनियर सीटिजन्स के लिए फैशन शो)

मान्यवर,

22 अप्रैल, 2018 को तारा संस्थान ने अपने नये वृद्धाश्रम भवन का उद्घाटन किया था। इस भवन के उद्घाटन से पहले संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में लगभग 45 बुजुर्ग रह रहे थे, कोई और बुजुर्ग आते तो उन्हें हमें मना करना पड़ रहा था। लेकिन इस भवन के बनने के डेढ़ वर्ष के भीतर ही इस भवन में 80 से अधिक बुजुर्ग रह रहे हैं। आपने और हमने मिलकर एक भवन का निर्माण तो कर दिया लेकिन इस भवन को घर हमारे इन बुजुर्गों ने बनाया जिन्होंने रहने के लिए इसे चुना है। भवन के लिए भूमि क्रय से लेकर भवन निर्माण तक की प्रक्रिया तभी पूर्ण हो पायी क्योंकि इसमें ईश्वर का आशीर्वाद और आप जैसे दानदाताओं का सहयोग था।

आपको बताते हुए खुशी है कि इस वृद्धाश्रम भवन का नामकरण **''श्रीमती कृष्णा - जे.पी. शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम''** किया जा रहा है। यह नामकरण लोनी निवासी परम श्रद्धेय श्री जे.पी. शर्मा सा. व उनकी स्व. धर्मपत्नी के नाम से हो रहा है। आदरणीय श्री शर्मा सा. तारा संस्थान के संरक्षक हैं एवं उन्होंने लोनी स्थित पंडित मुंशीलाल – द्रोपदी देवी तारा नेत्रालय, लोनी (गाजियाबाद) का भवन भी तारा संस्थान को समर्पित किया है जिससे कि उत्तर प्रदेश के बहुत से नेत्र रोगियों को लाभ मिल रहा है।

श्रद्धेय डॉ. कैलाश जी 'मानव' (संस्थापक, नारायण सेवा संस्थान) व श्रीमती कमला देवी अग्रवाल के आशीर्वाद से उक्त कार्यक्रम आदरणीय डॉ. जे.पी. शर्मा सा. (शिक्षाविद् एवं अध्यक्ष, श्री मोक्ष धाम मंदिर, लोनी) के मुख्य आतिथ्य में, श्रीमती नीरू - श्री प्रदीप कुमार शर्मा (पुत्रवधू-पुत्र) व कृति, आकृति, सुकृति, प्रिंयल शर्मा (सुपौत्री-सुपौत्र) के परम सान्निध्य में सम्पन्न होगा।

उक्त नामकरण समारोह हेतु आपको निमंत्रित करना चाहते हैं और हमें विश्वास है कि आप अपने अमूल्य समय में से दो दिन निकालकर इस समारोह मे पधारकर हमारा मान बढ़ायेंगे।

इस समारोह में बुजुर्गों के द्वारा एक ''फैशन शो'' भी किया जाएगा आप भी इसमें भाग लेकर अपने आप में नवीन ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं।

निवेदक

कल्पना गोयल
संस्थापक एवं अध्यक्ष

दीपेश मित्तल
मुख्य कार्यकारी

दिनांक : 14 व 15 दिसम्बर, 2019

कार्यक्रम स्थल : आनन्द वृद्धाश्रम, 344/345, हिरण मगरी, सेक्टर 14, जे. - ब्लॉक, उदयपुर (राज.)

समारोह का दो दिवसीय कार्यक्रम निम्न प्रकार है

दिनांक : 14 दिसम्बर, 2019

समय		कार्यक्रम
प्रातः 8.00 बजे	:	उदयपुर आगमन
8.00 से 10.00	:	चाय नाश्ता
10.00 से 11.00	:	स्वागत, आनन्द वृद्धाश्रम विजिट
11.00 से 1.00	:	नामकरण समारोह
1.00 से 2.00	:	भोजन महाप्रसाद
2.00 से 4.00	:	विश्राम / फैशन शो प्रशिक्षण
4.00 से 5.00	:	फैशन शो स्थल पर आगमन
5.30 से 8.00	:	**''फैशन शो''**
8.00 से 9.00	:	भोजन महाप्रसाद

दिनांक : 15 दिसम्बर, 2019

समय		कार्यक्रम
प्रातः 8.00 से 11.30	:	एकलिंगजी, श्री नाथ जी दर्शन
12.00 से 1.00	:	तारा संस्थान विजिट
1.00 से 2.00	:	भोजन महाप्रसाद

- **कृपया साथ में अपने पसंदीदा दो जोड़ी ड्रेस लेकर आवें - ''रैम्प वॉक''/ फैशन शो हेतु।**
- **आपके आवास, भोजन व परिवहन की सम्पूर्ण व्यवस्था तारा संस्थान द्वारा की जाएगी।**

आपश्री के पधारने की सम्पर्क सूचना इस नम्बर पर फोन कर सूचित करावें:+91 96493 99993

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

तारांशु - वर्ष 8, अंक - 2, नवम्बर - 2019

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आत्मीय निमंत्रण	02
अनुक्रमणिका	03
लेख : 1 - ''मेरी ताकत'' / लेख : 2 - दिवाली की सफाई	04-05
आवरण कथा : आनन्द वृद्धाश्रम : जिन्दगी की उथल-पुथल में कुछ पथ प्रदर्शक	06-10
आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / तारा नेत्रालय	11
गौरी योजना / तृप्ति योजना	12
हमारे भामाशाह / मस्ती की पाठशाला / शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर	13
न्यूज ब्रीफ	14-15
विनम्र अपील / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर / नेत्र शिविर सौजन्य	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
धन्यवाद / अभिनन्दन	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान
सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

''मेरी ताकत''

Strength, ताकत, मजबूती ये सारे शब्द हम महिलाओं में काफी प्रचलित हैं, पर ईश्वर के शुक्रगुजार हैं कि उसने हमें ये भरपूर मात्रा में दी है, बस हनुमान जी की तरह हम ये समझ नहीं पाते, पर जब, कोई हमें बताता है, तब पता चलता है... अच्छा... हमारे अन्दर ये शक्ति है... ।

पर आज मैं आपसे बात कर रही हूँ उनकी जो हमारी ताकत है, कि अगर वो हमारे साथ हैं भले ही मानसिक रूप से हो तो हम निश्चिंत महसूस करते हैं। कुछ सालों पहले एक मुवी आई थी ''मैं हूँ ना'' बस वैसे ही... माता–पिता, भाई–बहन, मित्र कोई भी हो सकता है... मैं अपनी बात कहूँ तो मेरी एक मित्र हैं मधु। हम कक्षा 9 से साथ पढ़े हैं और बस अब भी जब भी खुद को कमजोर महसूस करती हूँ बस उससे मिल लेती हूँ और मैं मजबूत... हो जाती हूँ... और हाँ मेरी बेटी आस्था के लिए वो ''मैं'' हूँ...

जब ये सब बात हो रही थी तो मैंने सोचा हमारे इतने बुजुर्ग जो आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं, उनसे पूछा जाय... तो हमारे तारांशु के संपादक राव सा. ने उनसे बात की तो 90 प्रतिशत लोगों ने बताया कि हमारी ताकत तो ''तारा संस्थान'' है... हमने बोला अरे किसी व्यक्ति का नाम बताइए, तो सबने यही कहा कि चलो फिर आस्था चैनल का नाम लिख लो, या फिर जो हमें यहाँ लेकर आए हमारे मित्र का नाम लिख लो...

तो मुझे लगा कि क्यों न मैं ये खुशनुमा सा धन्यवाद आप तक पहुँचा दूँ कि Basically वो सब ''आप सबका'' ही नाम ले रहे थे गुदगुदाने वाली खुशी हम सबके हिस्से में आ गई... और आज ही कहीं पढ़ा था, सदाचार बोओगे, तो सम्मान की फसल ही काटोगे।

और हाँ आप सभी जरूर पधारिए, आनन्द वृद्धाश्रम के नामकरण समारोह एवं ''फैशन शो'' में... । जब आप हम सब मिलते हैं, तो काम करने का Motivation मिलता है, निश्चित ही हम सब एक दूजे की ताकत है... ।

आपसे 14–15 दिसम्बर को मिलने के इंतजार में... ।

कल्पना गोयल

दिवाली की सफाई

पिछली एक दो दीपावली से मेरे घर पर एक विवाद हमेशा होता है कि दीपावली की सफाई कब की जाए। मेरा मत होता है कि साल में एक बार सफाई करनी है तो वो दीपावली के बाद कर लो क्या फर्क पड़ता है इसका तर्क ये देता हूँ कि दीपावली के बाद हम सभी Comparatively फ्री होते हैं और काम करने वाले भी आसानी से मिल जाते हैं लेकिन मेरी मम्मी और पत्नी की जिद होती है कि चाहे कितना भी Busy हो सफाई तो दीपावली के पहले ही होगी उनके पास मेरे तर्क की बहुत बड़ी काट नहीं होती लेकिन होता वही हैं जो वो चाहते हैं। पीढ़ीयों से जो रीतियाँ बन गई उनको निभाना भी एक सुख है और ये परंपराएँ हैं भी तो कितनी खूबसूरत और उपयोगी, पूरे घर का कचरा साफ हो जाता है अनुपयोगी चीजें फेंक दी जाती हैं और रंग रोगन होकर नया सा घर जब रोशनी से जगमगाता है तो उसका आनन्द ही कुछ और होता है। मुझे याद है जब हम छोटे थे तो बड़े–बड़े ड्रमों में आरास (चूना) घोलकर रंग बनाया जाता था और फिर उस आरास से कूंचिया लेकर कहीं घरवाले खुद या कहीं मजदूर सफेदी दीवारों पर लगाते थे और फिर उनसे बच बच कर चलना कि कहीं कपड़ों पर सफेदी ना लग जाए। आज कल आरास की जगह पेंट ने ले ली है तो क्या इनका भी अपना मजा है। आप भी सोचते होंगे कि दीपावली भी चली गई और सफाईयाँ तो कभी की हो गई थी फिर ये चर्चा कैसे, दरअसल दीपावली से कुछ दिन पहले फरीदाबाद वृद्धाश्रम के व्हाट्सएप्प ग्रुप में एक फोटो आया था जिसमें वहाँ की सफाई हो रही थी और वृद्धाश्रम में रहनेवाले एक अंकल अपनी निकर और बनियान में सफाई कर रहे थी साथ ही वहाँ के कर्मचारी भी लगे हुए थे। सच मानिये देखकर मजा आ गया क्योंकि तारा के जो भी वृद्धाश्रम हैं हमारी अवधारणा हमेशा रही है कि वे नाम के भले ही वृद्धाश्रम हो लेकिन जो भी वहाँ रहते हों उसे अपना घर समझ कर रहें और हम ऐसा कोई भी नियम कभी नहीं बनाते हैं जिससे कि यहाँ रहने वाले बुजुर्गों को घर से कम एहसास होवें, अनुशासन भी सिर्फ इतना ही रखना होता है जिससे किन्ही और को तकलीफ ना होवें।

हमारी इन सभी कोशिशों के बावजूद घर जैसे माहौल के सबसे करीब फरीदाबाद वृद्धाश्रम ही है। वहाँ का माहौल देखकर अच्छे से अच्छे घर में रहने वालों को भी ईर्ष्या हो जायें। कुछ महिनों पहले जब वहाँ गए थे तो सुबह 6 बजे पहुँचे तो एक

शेष अगले पृष्ठ पर...

...पिछले पृष्ठ से जारी

दिवाली की साफ सफाई में व्यस्त
फरीदाबाद वृद्धाश्रमवासी

सरदार अंकल बर्तन धो रहे थे, एक आंटी चाय बना रही थी और एक दो आंटी मिलकर नाश्ते की तैयारी कर रही थी। काम करने वाले संस्थान की तरफ से रखे हुए हैं लेकिन वहाँ के बुजुर्ग एक परिवार की तरह से काम करते हैं और जब परिवार मिल जाए तो वृद्धाश्रम भी घर बन जाता है और परिवार साथ ना हो तो घर भी नर्क।

जब उदयपुर में 2012 में जब वृद्धाश्रम प्रारम्भ हुआ तो कुछ परिकल्पना नहीं थी बल्कि ये विचार था कि लोग यहाँ रहने आऐंगे भी या नहीं, लेकिन जैसे–जैसे बुजुर्ग आते गए हमारा दृष्टिकोण भी साफ होता गया और मेरे मन में यह धारणा थी कि लोग इसे अपना घर समझे और उन्हें वो सारे अधिकार प्राप्त हों जो घर में रहने वालों को होते हैं लेकिन साथ ही वे घर में रहने वाले अन्य लोगों और घर दोनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी समझे। कभी कोई बीमार हो तो उनका ध्यान रखना अपने आस–पास की जगह को साफ रखना, एक दूसरे के साथ मिल जुलकर सुख दुःख बांटना और अपनी सामर्थ्य के अनुसार कुछ–कुछ करते जाना जिससे की व्यस्तता बनी रहे।

तारा संस्थान के चारों वृद्धाश्रमों में से मैं अगर सबसे बेहतरीन घर कहूँ तो वो फरीदाबाद का ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम है। जहाँ हमें किसी बात के लिए प्रेरित करने की जरूरत नहीं होती है। कोई त्यौहार ऐसा नहीं जो वहाँ न मनता हो, हर थोड़े दिन में कोई कीर्तन, माता की चौकी, न जाने क्या क्या। सुबह से लेकर शाम तक सभी आवासी मिल–जुल कर काम करते हैं कहीं भी ये भावना नहीं कि ये काम मैं क्यों करूँ। ऐसा लगता है कि ये घर अपने आप चल रहा हो। उदयपुर के आनन्द वृद्धाश्रम में मुझे थोड़ी सी कसक रहती है कि वो अपनापन वो एका नहीं है कि सब लोग मिलकर सोचे कि दीपावली की सफाई करनी है और करने में जुट जाएँ। यहाँ पर हमें चीजों को चलाना पड़ता है यहाँ तक एक बार तो इस बात के लिए भी कुछ लोगों को कहना पड़ा कि किन्हीं आवासी की मृत्यु होने पर आयोजित शोक सभा में आप सभी आएँ क्योंकि दिवंगत आत्मा को सम्मान देना तो सभी को चाहिए।

वृद्धाश्रम में रहने वाले सभी बुजुर्ग इतने पके हुए हैं कि हम उन पर कोई भी चीज थोपना या जबरदस्ती करना नहीं चाहते हैं लेकिन ये प्रयास रहता है कि सभी को प्रेरित करें कि वो सारी गतिविधियों में भाग ले क्योंकि जब वे व्यस्त रहेंगे तभी वे मस्त भी रहेंगे। इसके लिए आनन्द वृद्धाश्रम उदयपुर में सप्ताह में दो बार हाऊजी भी खिलाते हैं जिसमें छोटा सा नकद ईनाम भी रखते हैं और सप्ताह में एक बार डांस क्लास भी होती है। लेकिन हमारी ओर से कोई जबरदस्ती नहीं है कि वे क्या करें और क्या ना करें। तारा संस्थान के ये जो वृद्धाश्रम हैं वो जीवन के सार को बता सकते हैं कि आप कितने अमीर हैं ये इस बात से तय नहीं होता कि आपका बैंक बैलेंस कितना है लेकिन अंतिम वर्षों में आपके साथ कितने लोग हैं ये आपकी रईसी जरूर बता सकते हैं, मैं उन लोगों की बात नहीं कर रहा जो आपकी संपत्ती के वारिस बनना चाहते हैं इसलिए आपके साथ हैं, मैं उन दोस्तों या परिवार वालों की बात कर रहा हूँ, जो सिर्फ इसलिए आपके साथ हैं क्योंकि वे आपकी केयर करते हैं तो मुझे तो यही लगता है कि हमें धन जुटाने के साथ–साथ हमें असल मित्र भी सहेजने चाहिए, समय पर यदि चंद लोग भी ये कह दें कि ''मैं तो हूँ'' और उनके इस कहने में कुछ पाने का स्वार्थ ना हो जो बस हम करोड़पति हैं ये समझा जा सकता है।

तारा संस्थान ये ही प्रयास कर रहा है जिनका कोई नहीं है उन्हें करोड़पति बना रहा है और आप सभी हमारे साथ इस प्रयास में पुरजोर जुड़े हैं।

ओप दीप वृद्धाश्रम फरीदाबाद में एक परिवार वाले माहौल की बात करू तो इसमें धन्यवाद वहाँ काम करने वाले कमलेश जी का भी हैं जो वैसे तो वहाँ रसोइया हैं लेकिन उनके प्यार भरे स्वभाव ने भी इस बंधन को मजबूती दी है।

और हाँ इस ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम के जनक आदरणीय ओमप्रकाश जी और दीपा जी मल्होत्रा जिन्होंने अपना सुन्दर सा घर इतने अच्छे काम के लिए प्रदान किया उनको जितना प्रणाम करें कम है।

आदर सहित...

दीपेश मित्तल

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को प्रवेश दिलवाने में सहयोगी

वैसे तो आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश लेने वाले अधिकतर बुजुर्गों को तारा संस्थान के टी.वी. कार्यक्रमों एवं तारांशु मासिक पत्रिका के द्वारा जानकारी मिलती है परन्तु कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्हें इन माध्यमों से नहीं बल्कि संस्थान की ख्याति सुने हुए व्यक्तियों ने बुजुर्गों को इस वृद्धाश्रम की जानकारी दी अथवा उन्हें यहाँ प्रवेश दिलवाने में सहायता की। आईए जानते है ऐसी ही कुछ दिलचस्प कहानियाँ कि लोगों को किस प्रकार से आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश में अन्य व्यक्तियों ने मदद की।

श्रीमती शांता देवी

श्रीमती शांता देवी ने आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश दिलवाया

श्रीमती मीना देवी शर्मा : 75 वर्षीया श्रीमती मीना देवी के पति की अकाल मृत्यु हो गई फिर उनका एकमात्र पुत्र भी बीमार होकर चल बसा। अब उनके एक लड़की और जंवाई सूरत में रहते हैं। जंवाई स्वयं विकलांग है तथा पुत्री को मिर्गी की बीमारी है अतएव एकाकी मीना देवी को पुत्री के यहाँ भी जाना मुनासिब नहीं लगा क्योंकि पुत्री के पति हाथ से विकलांग है एवं मिर्गी से बीमार पुत्री को सम्हालते है तो मीना देवी को कैसे साथ रखे? अतएव मीना देवी किसी के साथ सब्जी आदि बेचकर गुजारा चलाती थी। किसी भले इंसान ने 500 रु. किराए का कमरा दे दिया था मगर 500 रु. किराया भी मीना देवी को बहुत भारी लगता था। निकट रिश्तेदारों में जेठ–जेठानी और देवर आदि हैं, कभी–कभार मिलने चले आते हैं पर कोई विशेष मदद नहीं मिलती है। फिर एक दिन तो बहुत भारी मुसीबत आन पड़ी, उनकी सब्जी की दुकान मालकिन ने उन्हें कहा कि धंधा मंदा है अतएव दो लोगों की आवश्यकता नहीं है सो आप कहीं और काम देख लो। 75 वर्षीया मीना देवी भला अब कहाँ काम ढूंढे?ऊपर से कमरा किराया भी चुकाना था। अब स्थिति विकट हो गई और खाने के भी लाले पड़ने लगे। लेकिन किस्मत से ही सही उनकी एक परिचित महिला श्रीमती शांता देवी (जो स्वयं आनन्द वृद्धाश्रम में रहती है) को उनकी स्थिति की जानकारी मिली तो उन्होंने तारा संस्थान के प्रतिनिधि से बात करके मीना देवी को आनन्द वृद्धाश्रम में दाखिला दिलवाया, तब जाकर मीना जी की स्थिति सुधरी। श्रीमती मीना देवी यहाँ की रहने व खाने–पीने की व्यवस्था से अत्यन्त प्रसन्न है एवं श्रीमती शांति देवी एवं तारा संस्थान की कृतज्ञ है कि उन्होंने समय पर उनकी सुध ली वरना इस वृद्धा का जीवन तो बहुत दुश्वार हो गया था।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	3500 रु. (एक समय)

क्रोध से सब काम वैसे नहीं बनते, जैसे शांति से बनते हैं।

हमारे जमाई ने वृद्धाश्रम के बारे में बताया

श्री राजेश कुमा सक्सेना : धनकपुर (उ.ख.) निवासी 62 वर्षीय श्री राजेश कुमार की पत्नी अपने पुत्र के साथ दिल्ली में रहती है। उम्र दराज होकर अकेले पड़ गए राजेश जी को अपनी हमउम्र के साथियों के साथ रहने की जगह की तलाश थी। अनेक जगह तलाश और पूछताछ की परन्तु कोई विशेष सूचना नहीं मिल पाई। संयोगवश उनकी पुत्री उदयपुर में शादीशुदा होकर रह रही है जिनके पति सेक्टर 14 गारमेंट का व्यवसाय करते है। राजेश जी के जंवाई जी को तारा संस्थान के बारे में जानकारी थी और जब उन्हें जानकारी मिली कि उनके ससुर जी हमउम्र लोगों के साथ रहने की जगह की तलाश है तो उन्होंने तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में उन्हें बताया। इस प्रकार श्री राजेश कुमार सक्सेना जून 2019 से उदयपुर आकर आनन्द वृद्धाश्रम में हिलमिल कर रह रहे हैं। यहाँ उन्हें अपनी उम्र समान कई साथी मिल गए है एवं एकाकीपन से दूर होकर प्रसन्न रहते है। कहते हैं कि आनन्द वृद्धाश्रम अब उनका अच्छा सा परिवार बन गया है। समय–समय पर उनकी पुत्री भी उनसे मिलने आती रहती है। श्री राजेश कुमार सक्सेना कहते हैं तारा संस्थान की ख्याति दूर–दूर तक फैली हुई हैं तभी तो उन्हें उत्तराखण्ड से यहाँ खींच लाई। दानदाताओं के प्रति वे आभारी हैं।

उदयपुर स्थित रिश्तेदार ने उन्हें आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश दिलवा दिया

श्रीमती ललिता टांटिया : 68 वर्षीया ललिता जी श्रीगंगानगर (राज.) से आकर लगभग एक महीने पहले ही आनन्द वृद्धाश्रम में रहने प्रवेश लिया है। उनके दो पुत्रियाँ एवं एक पुत्र है एवं सभी शादीशुदा है। श्रीमती ललिता टांटिया स्वयं नौकरी करती थी। अब उन्हें शुगर की बीमारी है उनका पुत्र उनको साथ रखने को तैयार है लेकिन व्यस्त होने के कारण उनकी देखभाल कैसे करें। फिर ललिता जी के एक उदयपुर स्थित रिश्तेदार ने उन्हें आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश दिलवा दिया। श्रीमती ललिता टांटिया अब यहाँ अच्छे से सैटल है। पुत्र–पुत्रियाँ समय–समय पर उनसे मिलने आते है। श्रीमती ललिता टांटिया आभारी है तारा संस्थान के दानदाताओं की।

मेरे पड़ौसी ने टी.वी. पर आनन्द वृद्धाश्रम का कार्यक्रम देखा तो इसकी जानकारी मुझे दी

श्रीमती मीना जरे : इन्दौर निवासी 73 वर्षीया श्रीमती मीना जरे की दोनों पुत्रियाँ शादीशुदा हैं। मीना जी स्वयं शिक्षित है एवं अपने पति के हार्ट अटैक से मृत्यु के बाद से स्वयं ही पी.जी. गेस्ट हाऊस चलाती है। लगभग 32 साल तक यह कार्य किया परन्तु अब उम्र दराज होकर कार्य कर पाना संभव नहीं से रहा था। उन्हें एक अच्छे से वृद्धाश्रम की तलाश थी परन्तु कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। फिर एक दिन उनके पड़ौसी ने टी.वी. पर आनन्द वृद्धाश्रम का कार्यक्रम देखा तो इसकी जानकारी मीना जी को दी। मीना जी ने जब सुना कि सारी व्यवस्था बेहतर है वह एक बारगी तो अपनी पुत्रियाँ को बिना बताए उदयपुर चली आई और आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश ले लिया अब महीना भर यहाँ रहकर खुश है और बच्चियों को भी सूचित कर दिया है। तारा संस्थान की आभारी हैं।

कल्पना जी एवं दीपेश जी से प्रेरित

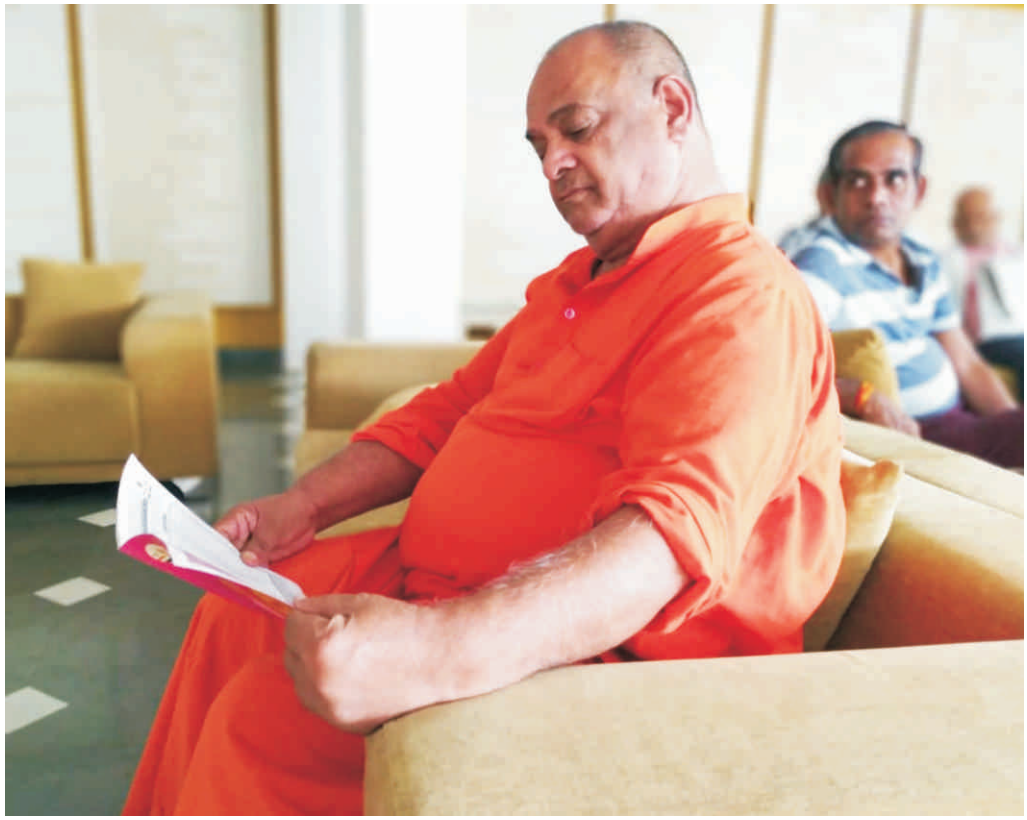

श्री राधेमोहन सक्सेना : श्री राधेमोहन 67 वर्ष के है एवं एफ.सी.आई. दिल्ली से रिटायर्ड है। उनकी पत्नी की 20 वर्ष पहले मृत्यु हो गई थी तो उन्होंने माता–पिता दोनों की तरह बच्चों को पाल पोसकर बड़ा किया। उन्होंने जीवन में बहुत संघर्ष देखा, गरीबी देखी, बहुत से उतार चढ़ाव देखे अब जाकर वह सतुंष्ट है, बच्चे सेटल हो चुके है। तो उन्होंने बच्चों को प्रेम से समझाया कि वह अब आजाद ज़िन्दगी जीना चाहते है (उनका विचार था कि वह बच्चों पर बोझ नहीं बने और बच्चों को बुरा भी न लगे कि वह कहीं और जा रहे हैं) श्री सक्सेना जी 2009 से कल्पना जी एवं दीपेश जी से जुड़े हुए है एवं उन्हें अपने बच्चों की तरह मानते है सो वह आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में प्रवेश लेने आ गए।

इतिहास विश्वास की नहीं विश्लेषण की वस्तु है।

नारायण सेवा संस्थान के माध्यम से यहाँ पहुँचा

श्री नरेश कुमार अग्रवाल : भीलवाड़ा (राज.) निवासी 73 वर्षीय श्री नरेश कुमार अग्रवाल लगभग एक वर्ष से आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में रह रहे है। उनके दो पुत्र हैं, छोटे पुत्र को बड़े भाई को गोद दिया हुआ है। बड़े पुत्र के यहाँ इनका मन नहीं लग रहा था। कई वर्षों तक बिजनेस किया लेकिन वह भी अब नहीं हो पा रहा था ऊपर से यादाश्त कमजोर हो गई थी। ऐसी स्थिति में नारायण सेवा संस्थान के एक साधक श्री शिवनारायण अग्रवाल (जिन्हें वह लगभग 20–22 वर्षों से जानते थे) ने नरेश जी को नारायण सेवा संस्थान जाने की सलाह दी। तो उन्होंने यहाँ आकर लगभग 20 वर्ष नारायण सेवा संस्थान में ही अपनी सेवाएं दी। फिर अब चूंकि उम्र हो चुकी है तो नारायण सेवा संस्थान के द्वारा आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश करवा दिया गया। अब अपने हम उम्र लोगों के साथ आनन्द पूर्वक रह रहे हैं।

श्री प्रदीप वेरणेकर : मुम्बई निवासी श्री प्रदीप वेरणेकर अपने माता–पिता की एकमात्र संतान थे। इनके माता–पिता के गुजर जाने के पश्चात् प्रदीप जी लगभग अनाथ हो गए। न घर बार न कोई काम धंधा कर पाते क्योंकि यह Muscular Dystrophy नामक बीमारी से पीड़ित थे एवं बिना किसी के सहारे चल नहीं पाते है। कुछ वर्षों तक यह मुम्बई में ही भटकते रहे। फिर पुना रहे जहाँ कोई भोजन देता तो खा लेते वरना भूखें ही सो जाते। इसी प्रकार ये अजमेर नसीराबाद आदि बेसहारा भटकते रहे और आखिर उदयपुर में एक 'मस्तान बाबा' की मजार के पास रहने लगे जहाँ जो भी कुछ दे देता तो खा लेते। फिर कुछ समय बाद एक सोशल वर्कर मैडम ने तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में जाने की सलाह दी परन्तु प्रदीप चूंकि 60 वर्ष के नीचे की उम्र के थे सो काफी झिझक हुई तो मैडम स्वयं तारा संस्थान आकर जानकारी लेकर गई और फिर प्रदीप जी को आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश मिल गया। श्री प्रदीप वेरणेकर लगभग 6.5 वर्षों से आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे है। कहते हैं कि अब जीवन का भटकाव खत्म हो गया। चूंकि वह अभी भी स्वयं चल फिर नहीं सकते है तो यहाँ के सह निवासी व स्टाफ उनके सारे काम में मदद करते हैं उनका खाना भी बिस्तर पर ला देते है। श्री प्रदीप वेरणेकर तारा संस्थान की हृदय से आभारी है।

एक सोशल वर्कर मैडम ने तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में जाने की सलाह दी

श्रीमती पुष्पा सिंधी ने मुझे आनन्द वृद्धाश्रम में रहने की व्यवस्था बताई

श्रीमती भगवती आमेटा : बड़ी सादड़ी (चित्तौड़गढ़) निवासी श्रीमती भगवती आमेटा (60 वर्षीया) पिछले 5 महीनों से आनन्द वृद्धाश्रम में रह रही है। उनके पति का कोई काम धंधा नहीं है और वह कब तक काम कर करके उसे खिलाती सो उदयपुर आकर घरों में काम करने लगी। इधर–उधर कई घरों में काम कर अपना गुजारा चलाने वाली भगवती बाई के पति की भी मृत्यु हो गई। एक भाई और भाभी है मगर किसी प्रकार का सहयोग नहीं। अन्ततः अकेली एवं वृद्ध भगवती बाई की दशा देखकर सेक्टर 6, उदयपुर निवासी दयालु श्रीमती पुष्पा सिंधी (जिनके यहाँ भगवती काम कर रही थी) ने उन्हें आनन्द वृद्धाश्रम में सहारा लेने की सलाह दी। श्रीमती भगवती बाई बड़े सुख से वृद्धाश्रम में रह रही हैं। खान–पान की व्यवस्था की चिंता से बिलकुल मुक्त हैं।

एक पड़ोसी ने वृद्धाश्रम का रास्ता दिखाया

श्रीमती रेखा कालरा : 56 वर्षीया रेखा कालरा हिरण मगरी उदयपुर निवासी है। इनके बच्चे शादी शुदा होकर अलग रहते है और उनके पति आए दिन झगड़ा करते है। ऐसी स्थिति में एक पड़ोसी ने वृद्धाश्रम का रास्ता दिखाया। अब तारा संस्थान की सहायता से यह एकाकी बेसहारा स्त्री अपना जीवन बिता रही है।

हरिद्वार में नारायण सेवा संस्थान के एक कार्यकर्त्ता ने मुझे आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में जानकारी दी

गणपति महाजन (62 वर्ष) : धार (म.प्र.) निवासी श्री गणपति महाजन की बड़ी दर्दभरी दास्तान है। वे अविवाहित एवं संयुक्त परिवार में रहते थे तथा नाना प्रकार की छोटी–मोटी नौकरियाँ करके जीवन यापन करते थे। परिवार वालों के असहयोग व असंतोष के चलते 10 वर्ष पहले वह अलग रहने लगे। इनके पिताजी की मृत्यु हो चुकी है एवं माताजी कोमा में है। भाई–बहिनों से बनती नहीं है ऊपर से कोई ठीक ठाक सी नौकरी भी नहीं। इधर–उधर भटकते रहने लगे फिर 2017 में एक दिन बस एक्सीडेंट में एक टांग से गंभीर रूप से घायल हो गए। 11 महीने तक धार में हॉस्पीटल में पड़े रहे परन्तु ढंग से उपचार नहीं हो पाया फिर किसी ने बड़ौदा में ऑपरेशन करवाने का सुझाया परन्तु वहाँ भी कोई अटेण्डेण्ट साथ नहीं होने की वजह से केयर नहीं हो पाई। इधर–उधर भटकते हुए इतने परेशान हुए कि रेज़र से गला काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। फिर एक दिन हरिद्वार में एक सामाजिक कार्यकर्त्ता (जो कि नारायण सेवा संस्थान से सम्बधित थे) ने इन्हें आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में जानकारी दी तो उन्होंने यहाँ आवेदन किया। अब 11 अप्रैल से यहाँ आरामपूर्वक रह रहे हैं। श्री गणपति महाजन अपने सारे अंगदान करने के इच्छुक है।

समय पर वही सवारी कर सकता है जो समय की लगाम पकड़े रहे।

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

धन्यवाद तारा नेत्रालय : श्री गौतम जी

श्री गौतम जी : मैं लगभग 70 वर्षीय वृद्ध हूँ एवं पति–पत्नी गाँव में अकेले रहते है बेटा व बहू परदेश में कमाई करते है। साल भर से मेरी आँख में दिखाई नहीं दे रहा था लेकिन मैं कहीं जाँच कराने में टालमटोल कर रहा था लेकिन सौभाग्यवश एक दिन सलुम्बर के पास तारा नेत्रालय का शिविर लगा जिसमें जाँच के बाद मुझे मोतियाबिन्द के ऑपरेशन हेतु उदयपुर अस्पताल में भेजा गया। तारा नेत्रालय ने मेरी आँख खत्म होने से पहले ही बचा ली। भगवान उनको सुखी रखे। धन्यवाद तारा संस्थान।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन	09 ऑपरेशन	06 ऑपरेशन	03 ऑपरेशन	01 ऑपरेशन
51000 रु.	27000 रु.	18000 रु.	9000 रु.	3000 रु.

गौरी योजना :

जब तक बच्चे बड़े न हो जाए तब तक मदद जारी रखे : नारायणी बाई

लगभग 35 वर्षीया नारायणी बाई के पति ने घरेलू विवाद के चलते अचानक फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, करीब 5 वर्ष पूर्व। अब नारायणी बाई के ऊपर अपने बुजुर्ग सास–ससुर व 3 छोटे बच्चों के भरण–पोषण की जिम्मेदारी आन पड़ी। वह स्वयं मजदूरी करके घर चलाती है पर मजदूरी काफी नहीं होती है तो उधारी लेनी पड़ती है अथवा कभी–कभार माँ से सहायता मिल जाती है। अब नारायणी बाई का एक ही उद्देश्य है कि जैसे–तैसे बच्चों को शिक्षित कर अपने पैरों पर खड़ा करना। इस उद्देश्य में तारा संस्थान की गौरी योजना की अन्तर्गत 1000/– की मासिक पेंशन से काफी सहायता मिल रही है। नारायणी बाई दानदाताओं को अपील करती है कि जब तक बच्चे बड़े न हो जाए तब तक मदद जारी रखे।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु.	06 माह - 6000 रु.	01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

तारा संस्थान की सहायता से भूखे मरने से बच गए : पूंजी बाई

लगभग 70 वर्षीया पूंजी बाई के पति और बेटे की बरसों पहले मृत्यु हो गई थी। पूंजी बाई अब अपनी बेटी (वो भी विधवा है) के साथ रहती है। बेटी का एक पुत्र 5–6 साल पहले मानसिक रूप से बीमार हो गया। घर में कोई कमाऊ पुरुष नहीं रहा। पूंजी बाई तो अब इस उम्र में कोई काम कर सकती है न ही इनके पास खेती लायक जमीन है। पूंजी बाई की पुत्री ही इधर–उधर मजदूरी करधर चलाती है। ऊपर से मंद बुद्धि बालक को सम्हालने की जिम्मेदारी भी है। थोड़ा बहुत सरकार की सहायता से घर चल जाता है बेटे का ईलाज हेतु पर्याप्त पैसे नहीं है। पूंजी बाई कहती है कि तारा संस्थान की सहायता से भूखे मरने से बच गए। तृप्ति योजना के राशन व 300 रु. नकद से इन्हें जीवित रहने को तो मिल ही रहा है। पूंजी बाई हाथ जोड़कर दुआ देती है कि तारा संस्थान व दानदाताओं ने कुछ तो सुख दिया है वरना तो न जाने क्या होता।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु.	06 माह - 9000 रु.	01 माह - 1500 रु.

हमारे भामाशाह :

मैं खाता कम हूँ और दान ज्यादा करता हूँ : श्री नागेन्द्र प्रसाद गुप्ता

श्री गुप्ता आनन्द वृद्धाश्रम वासियों के लिए सिलाई करते हुए।

67 वर्षीय जमशेदपुर निवासी श्री नागेन्द्र प्रसाद गुप्ता एन.टी.सी. (सरकारी उपक्रम) से 2012 से रिटायर्ड है। उनके 2 बच्चे व 2 बच्चियाँ शादीशुदा होकर अच्छे से सेटल हैं। श्री गुप्ता कहते हैं कि वे खाते कम हैं और दान ज्यादा करते है। उनके माता–पिता ने बचपन से ही उनमें सेवा भाव कूट–कूट कर भरा था यही कारण है कि श्री गुप्ता 67 वर्ष की उम्र में भी जहाँ भी, जैसे भी बन पड़ता है दान सहयोग करते हैं। वे अपनी जो भी मकान किराए आदि से राशि आती है उसका 10 प्रतिशत एक बक्से में डाल देते है, इसी प्रकार अपनी छोटी सी पेंशन को तो पूर्णतयाः सेवा कार्यों में खर्च कर देते है। श्री नागेन्द्र प्रसाद कहते हैं कि बचपन से ही पिताजी ने खूब मेहनत का पाठ पढ़ाया। उन्होंने गली मौहल्लों में बैलून व पान बेचें, तब जाकर मेट्रिक्ट परीक्षा पूरी की। उसके पश्चात एन. टी.सी. में नौकरी लग गए। नौकरी के दौरान भी जो भी बन पड़ता, सेवा कार्य सहयोग अवश्य करते थे। 36 वर्ष की नौकरी पूर्ण करने के बाद 67 वर्ष की आयु में भी श्री गुप्ता अभी तक पूर्णतः स्वस्थ व सक्रिय है। कभी–कभी 500 कि.मी तक मोटरसाईकल चलाकर जमशेदपुर से पटना परिजनों से मिलने चले जाते हैं। मजे की बात यह है कि वह अनेकों काम करने की दक्षता रखते है जैसे–वाईरिंग, गैस, चूल्हा रिपेयरिंग व सिलाई आदि। इन दिनों वह तारा संस्थान के वृद्धाश्रम में ठहरे हुए है एवं जिन्हें आवश्यकता है उन्हें सिलाई करके देते है। उन्हें किसी प्रकार के काम से परहेज नहीं, झाड़ू भी स्वयं लगा लेते है। तारा संस्थान का जिक्र आता है तो गुप्ता जी कहते है कि कल्पना जी और दीपेश जी के कार्यों से वह अति प्रभावित है। कहाँ तो लोग 4–5 सदस्यों का परिवार भी ठीक से नहीं चला पाते और कहाँ तारा जो कि हजारों लोगों को सम्भाल रहा है। तारांशु के पाठकों को श्री नागेन्द्र प्रसाद गुप्ता का संदेश है कि वे कृपया तारा संस्थान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग जारी रखे। यह संस्थान बहुत से जरूरतमंदों और निःसहाय लोगों के लिए बड़ा कार्य कर रही है जो अति सराहनीय है।

मस्ती की पाठशाला

झुग्गी झोपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000 प्रति वर्ष

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल - उदयपुर

कम आयु में विधवा हो चुकी महिलाओं के बच्चों एवं अनाथ बालक बालिकाओं को पूर्णःतया निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है।

न्यूज ब्रीफ - 1 :

01.10.2019

राजकीय वृद्धाश्रम, बलीचा, उदयपुर में अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस 2019 समारोह की झलकियाँ।

02.10.2019

ओम दीप आनंद वृद्धाश्रम, फरिदाबाद में श्री राम सेकंडरी स्कूल के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक व अंत्याक्षरी आदि द्वारा पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

06.10.2019

श्रीमान सुरेंद्र कुमार जी मित्तल, भामाशाह, देहरादून, का दिनांक 1 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक उदयपुर संस्थान विजिट का कार्यक्रम रहा। आप श्री द्वारा तारा नेत्रालय में एक शिविर का उद्घाटन हुआ, आपने तारा संस्थान की समस्त गतिविधियों का अवलोकन किया व संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम वासियों के साथ अपना समय बिताया, आपने गोरी योजना से लाभान्वित महिलाओं से भी मुलाकात की।

11.10.2019

तारा संस्थान, उदयपुर (राज.) एवं विमल वडेरा समृति परमार्थ ट्रस्ट, जोधपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10 व 11 अक्टूबर, 2019 को उदयपुर के आसपास के सरकारी विद्यालयों में 900 जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क वस्त्र वितरण किए गए।

20.10.2019

कृपया पधारें, तारा संस्थान उदयपुर द्वारा बोरीवली, मुम्बई में आयोजित स्नेह मिलन।

20.10.2019

तारा संस्थान उदयपुर राज. द्वारा वडोदरा (गुज) के विंटेज होटल अलकापुरी में स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

गलतियां तो सभी करते हैं, सिर्फ मूर्ख ही उन्हें दोहराते हैं।

न्यूज ब्रीफ – 2 :

20.10.2019

'खुशी एक अहसास' द्वारा फरीदाबाद वृद्धाश्रम में भोज दिया गया।

21.10.2019

तारा संस्थान उदयपुर राज. के संरक्षक श्री ओ.सी. जैन साहब निवासी रतलाम मध्य प्रदेश को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! ईश्वर से प्रार्थना है की आपको स्वस्थ और उल्लासपूर्ण जीवन देवे।

22.10.2019

एक निजी स्कूल के बच्चों ने आनन्द वृद्धाश्रम में दीपावली मनाई

27.10.2019

ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, फरीदाबाद में दीपोत्सव पर लक्ष्मी पूजन

31.10.2019

आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में दीपावली स्नेह मिलन व सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer
ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. 4,20,000/- (चार लाख बीस हजार रुपये)

Non-Contact Tonometer
नॉन-कांटेक्ट टोनोमीटर

आँख के अंदरूनी तरल पदार्थ के दबाव (IOP) की जाँच मे उपयोगी जिससे काला पानी बीमारी का पता चलता है। (बिना आँख को स्पर्श किये)

कीमत रु. 4,48,000/- (चार लाख अड़तालीस हजार रुपए)

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

नेत्र शिविर सौजन्य
मोतियाबिन्द
जाँच-चयन-शिविर
आयोजन एवं 30 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य,
प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच -
चश्मा वितरण -
दवाई सहयोग राशि,
प्रतिशिविर - 21000 रु.

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई-मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

सुधार की शुरूआत अपने से ही होनी चाहिए।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह अक्टूबर – 2019 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती अनिता सराफ – दिल्ली, श्री गणपत लाल धाकड़ – मुम्बई, श्री सुरेन्द्र कुमार मित्तल – बिजनौर (उ.प्र.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्रीमती प्रेम जी निझावन – नई दिल्ली, श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, एच.डी.एफ.सी. एर्गो – दिल्ली, टी.आर.आई. न्यूट्रिएंट्स प्रा.लि. – दिल्ली, वर्धमान प्लाजा – दिल्ली, श्री चिरणजी लाल धानुका चैरिटेबल ट्रस्ट – दिल्ली श्री आजाद सिंह, श्री राज सिंह, श्री हंसराज जी – रोहतक (हरि.), रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली राजधानी – दिल्ली, पण्डित गणेश प्रसाद मिश्रा सेवा न्यास – महोबा (उ.प्र.), श्रीमती भानुमति रावजी भाई जेतानी – मुम्बई

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)

कम्पोजिट विद्यालय ईसापुर सरकारी स्कूल, ब्लॉक – भोजपुर, भदोला रोड, मोदी नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 16 शिविर (देशभर में)

Thanks : **NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF**

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Mr. Nanak Ram - Mrs. Banto Devi
Bilaspur (HP)

Mrs. and Mr. Nirankar Agrawal
Prayagraj (UP)

Mrs. Sunita - Mr. Hari Krishna Maheshwari

Mrs. Prema - Mr. Mahtab Chand Baangar
Seoni (MP)

Mrs. and Mr. Ram Manohar Sharma
Jaipur (Raj.)

Dr. T.C. Gupta - Mrs. Anila Gupta
Agra (UP)

Mrs. Shakuntala - Mr. D.D. Sharma
Jodhpur (Raj.)

Thakur Ramesh Chandra - Mrs. Suman Kumari
Meerut (UP)

Mr. Mahesh - Mrs. Pushpa Shrivas
Bilaspur (CG)

Lt. Mr. Bhajan Das - Lt. Mrs. Kalawanti Mutreja
Ajmer (Raj.)

Mr. Madan Arora - Mrs. Surhda Rani
Chandigarh

Mrs. and Mr. Suresh Chandra Ji
Prayagraj (UP)

Lt. Mr. Rajesh Mutreja
Ajmer (Raj.)

Mr. Shrichand Mutreja
Ajmer (Raj.)

Lt. Mrs. Kamlesh Mutreja
Ajmer (Raj.)

Avantika Vhora
Dhar (MP)

Mr. Shripal Jain
Jaipur (Raj.)

Mrs. Ruma Birla
Gurgaon

Lt. Mrs. Premlata Soni
Jodhpur (Raj.)

Lt. Mr. Ganesh Lal Chandel
Jaipur (Raj.)

Mr. Dinesh Kumar Chandel
Jaipur (Raj.)

Mr. Banshi Lal Gehlot
Kankroli - Rajasamand (Raj.)

Mr. Umesh Tekriwal
Mumbai

Mrs. Mamta Tekriwal
Mumbai

Mr. Utakrsh Tekriwal
Mumbai

Mr. Shriram Govind Bedekar
Nagpur

Lt. Mrs. Maya Devi
Kangra (HP)

Dr. Kamal Kumari Jain
Bikaner (Raj.)

Mr. Chandra Mohan Bansal
Meerut (UP)

Mrs. Prem Kumari
Ropar (Punjab)

Mrs. Avinash Rani Mehta
Ludhiana (Punjab)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्रीमती एवं श्री फतेह लाल जी गोलिया
जयपुर (राज.)

श्री जगदीश प्रसाद, श्री जितेन्द्र कुमार मालपानी
जयपुर (राज.)

श्री योगेश - श्रीमती जया भावे
रायपुर (छ.ग.)

श्रीमती शशि जैन एवं श्री राजेश जैन
गुड़गाँव (हरि.)

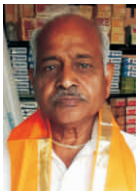
श्री भूषण लाल गुप्ता
पंचकुला (हरि.)

श्री ओम अग्रवाल
रायपुर (छ.ग.)

श्री विजय कुमार दुबे
रायपुर (छ.ग.)

श्री गणेश राम जी
भिलाई (छ.ग.)

श्री चन्द्र कुमार जैन
दुर्ग - भिलाई (छ.ग.)

श्री महेश तुलसी रामजी
पाटोदिया, मालेगांव

श्रीमती लता काला
सिकन्दराबाद (ते.गा.)

श्रीमती मंजुला शुक्ला
रतलाम (म.प्र.)

सभ्यता चरित्र का वह रूप है जो मनुष्य को कर्तव्य का मार्ग दर्शाता है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . . A/c No. 004501021965 . . . . . IFSC Code : icic0000045
State Bank of India . . . . . A/c No. 31840870750 . . . . . IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank . . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . . A/c No. 912010025408491 . . . IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank . . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank . . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India . . . A/c No. 3309973967. . . . . IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank . . A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank . . . . . A/c No. 065194600000284 . . . IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

TARA NETRALAYA - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl.
Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post,
Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D,
N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

TARA NETRALAYA - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

TARA NETRALAYA - Ratlam
Smt. Vimla Mukhija Charitable Netra &
General Clinic, Vimal Niwas, Street No. 1,
Near Ujala Palace Hotel, Station Road,
Ratlam (M.P.) 457001,
Mob. No. +91 7821855745

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

TARA SANSTHAN RAJKIYA VRUDDHASHRAM
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai
Show Room, South Extension, Balicha,
Udaipur (Raj.) - 313001

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad -
211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007
(Haryana) Mob. No. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, नवम्बर - 2019
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	मित्ति
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	3500 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	(एक समय)

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का
कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
प्रातः 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org,
Website : www.tarasansthan.org